

एक तुम्ही आधार सदगुरु,  
एक तुम्ही आधार ॥

जब तक मिलो न तुम जीवन में,  
शांति कहा मिल सकती मन में,  
खोज फिरा संसार सदगुरु,  
एक तुम्ही आधार,  
एक तुम्ही आधार सतगुरु,  
एक तुम्ही आधार ॥

कैसा भी हो तेरन हारा,  
मिले न जब तक शरण सहारा,  
हो न सका उस पार सदगुरु,  
एक तुम्ही आधार,  
एक तुम्ही आधार सतगुरु,  
एक तुम्ही आधार ॥

हम आये है द्वार तुम्हारे,  
अब उद्धार करो दुःख हारे,  
सुनलो दास पुकार सदगुरु,  
एक तुम्ही आधार,  
एक तुम्ही आधार सतगुरु,  
एक तुम्ही आधार ॥

छा जाता जग में अधियारा,  
तब पाने प्रकाश की धारा,  
आते तेरे द्वार सदगुरु,  
एक तुम्ही आधार,  
एक तुम्ही आधार सतगुरु,  
एक तुम्ही आधार ॥

एक तुम्ही आधार सदगुरु,  
एक तुम्ही आधार ॥

प्रेषक कमल वैस पहासू(बु.श.)यू.पी.।  
7818877569

Source: <https://www.bharattemples.com/ek-tumhi-aadhar-sadguru/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App  
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>